१० मीरा के पद

१. सही उत्तर पर (✓) निशान लगाए।

(क) कविता के रचयिता मीरा का जन्म कहाँ हुआ था?

i. मध्य प्रदेश ☐ ii. राजस्थान ☐

iii. उत्तर प्रदेश ☐ iv. गुजरात ☐

(ख) पहले पद में मीरा कृष्ण को कहाँ बसाने की प्रार्थना करती हैं?

i. अपने नैनन (आँखों) में ☐ ii. अपने घर में ☐

iii. मंदिर में ☐ iv. अपने मन में ☐

(ग) कृष्ण के गले में क्या शोभा देता है?

i. सोने की माला ☐ ii. फूलों की माला ☐

iii. मोतियों की माला ☐ iv. वैजयंती माला ☐

(ग) पहले पद में कृष्ण के पैरों में क्या मधुर आवाज़ करता है?

i. कड़ा ☐ ii. घुंघरू ☐

iii. नूपुर ☐ iv. पायल ☐

(घ) दूसरे पद में सावन की बारिश मीरा के मन को कैसा करती है?

i. चिंतित ☐ ii. डरावना ☐

iii. खुश और उमंग से भरा ☐ iv. उदास ☐

(ङ) मीरा को बादलों की गड़गड़ाहट क्या लगती है?

i. युद्ध का संकेत ☐ ii. प्रकृति का शोर ☐

iii. डरावनी आवाज़ ☐ iv. कृष्ण के आने की खबर ☐

(च) पहले पद में कृष्ण के होंठों पर क्या शोभा देता है?

i. शंख ☐ ii. वीणा ☐

iii. मुरली ☐ iv. बाँसुरी ☐

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

(क) मोहन मूरत _____,

_____ विशाल।।

_____

www.onepointlearning.com

_____ माला।।

(ख) बरसे बदरिया _____,

_____ भावन की।

_____

_____ आवन की।

३. सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाए ।

(क) मीरा बाई ने श्रीकृष्ण को अपने हृदय में बसाने की प्रार्थना की है। ☐

(ख) पदों में सावन को दुखद मौसम के रूप में चित्रित किया गया है। ☐

(ग) "उर वैजंती माला" का अर्थ है – श्रीकृष्ण के गले में फूलों की माला। ☐

(घ) मीरा के प्रभु को भक्तों से घृणा है। ☐

(ङ) सावन की बूँदों को पद में शीतल और सुहावना कहा गया है। ☐

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर १-२ वाक्य में लिखिए|

(क)" बसो मेरे नैनन में नंदलाल" में मीरा ने श्रीकृष्ण का कैसा वर्णन किया है?

उत्तर. _____

_____

(ख)" बरसे बदरिया सावन की" में सावन के मौसम का वर्णन कैसे किया गया है?

उत्तर. _____

_____

(ग) मीरा ने अपने भजनों में अपने नाम का उल्लेख क्यों किया?

उत्तर. _____

_____

(घ)" नन्हीं नन्हीं बूँदन मेहा बरसे" पंक्ति का क्या अर्थ है?

उत्तर. _____

_____

(ङ) मीरा के भजनों की विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर. _____

_____

www.onepointlearning.com

५. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

मीरा बाई भारत की महान भक्त कवयित्री थीं। उनका मन सदैव श्रीकृष्ण की भक्ति में रमा रहता था। वे बचपन से ही कृष्ण को अपना प्रियतम मानने लगी थीं। मीरा ने अनेक पदों की रचना की, जिनमें कृष्ण के प्रति उनका प्रेम, समर्पण और विश्वास झलकता है। वे कहती हैं कि कृष्ण उनके नैनों में बसें, उनके मन में बसें और हर सांस में बसें।

सावन का महीना मीरा को विशेष प्रिय था। जब बादल छाते, ठंडी बयार चलती और वर्षा की बूँदें गिरतीं, तो मीरा का मन आनंद और भक्ति से भर उठता। वे अपने पदों में सावन की फुहारों और श्रीकृष्ण की छवि को एक साथ पिरो देती थीं। उनका विश्वास था कि इस पावन ऋतु में श्रीकृष्ण अवश्य उनके पास आएँगे। मीरा के पदों में भक्ति, प्रकृति और प्रेम का सुंदर संगम दिखाई देता है।

अनुच्छेद आधारित प्रश्न

(क) मीरा बाई किसकी भक्ति करती थीं?

उत्तर. _____

(ख) मीरा को सावन का महीना क्यों प्रिय था?

उत्तर. _____

(ग) मीरा ने किस प्रकार के पदों की रचना की?

उत्तर. _____

(घ) गद्यांश के अनुसार, मीरा का मन कब आनंद से भर जाता था?

उत्तर. _____

(ङ) मीरा के पदों में किन तीन चीजों का संगम दिखाई देता है?

उत्तर. _____

६. दिए गए शब्दों के लिए उपयुक्त विशेषण (विशेषता बताने वाले शब्द) लिखिए।

(क) पवन	=	_____	(ख) मूरत	=	_____
(ग) बूँदें	=	_____	(घ) सावन	=	_____
(ङ) प्रभु	=	_____	(च) सूरत	=	_____

७. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) सुख	x	_____	(ख) उजाला	x	_____
(ग) पवित्र	x	_____	(घ) मीठा	x	_____
(ङ) सच्चाई	x	_____	(च) नया	x	_____

www.onepointlearning.com

८. निम्नलिखित पहेलियों के उत्तर के साथ मिलान कीजिए।

स्तंभ १	स्तंभ २
(क) धातु की हूँ, हाथ से बजती, धुन मेरी सबको भाती। गरबा हो या मंदिर की बात, मेरी आवाज़ सबसे खास। बताो मैं कौन?	 सितार
(ख) मेरे तारों को छेड़ा जाए, सुरों का जादू बिखर जाए। कभी अकेला, कभी संग बाजे, शास्त्रीय संगीत में नाम साजे। मैं कौन हूँ?	 एकतारा
(ग) मैं हूँ गोल, पेट में तान, हाथ से बजाऊँ, देता हूँ जान। त्योहारों में सबसे आगे, मेरे बिना ना रंग-बिरंगे। बताओ मैं कौन?	 मंजीरा
(घ) बांस की हूँ, फूँक से बजती, मीठी तानें सबको भाती। कान्हा ने मुझे जब बजाया, सबने रास रचाया। बताो मैं कौन?	 सारंगी

www.onepointlearning.com

(ङ) छोटा हूँ पर सुर में भारी,

मेरे बिना संगीत अधूरी तैयारी।

गर्दन में बाँधो, उँगलियाँ चलाओ,

मेरे संग गीतों को गाओ।

बताओ मैं कौन?

बाँसुरी

(च) मैं न पीटी जाती, न फूँकी जाती,

तारों की संगत में बजती जाती।

तबले, हारमोनियम के साथ निभाती,

शास्त्रीय महफ़िलों में गूंजती जाती।

बताो मैं कौन?

ढोल

९. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) नैनन = _____ (ख) अधर = _____

(ग) सोभित = _____ (घ) साँवरी = _____

(ङ) संत = _____ (च) नूपुर = _____

www.onepointlearning.com

Answer

१.

(क) राजस्थान (ख) अपने नैनन (आँखों) में (ग) वैजयंती माला
(घ) नूपुर (ङ) ii. खुश और उमंग से भरा (च) कृष्ण के आने की खबर
(छ) मुरली

२.

(क) मोहन मूरत साँवरी सूरत,
बिनु बने विशाल।।
अधर सुधा रस मुरली राजित,
उर वैजंती माला।।

(ख) बरसे बदरिया सावन की,
सुगंध भावन की।
नन्हीं नन्हीं बूँदन मेहा बरसे,
सुनि गर्जन आवन की।

३.

(क) ✓ (ख) X (ग) X (घ) X (ङ) ✓

४.

(क) मीरा ने श्रीकृष्ण को साँवरे रूपवाले, मधुर वाणी वाले, मुरलीधारी और वैजयंती माला धारण करने वाले के रूप में वर्णित किया है।
(ख) सावन को सुगंधित, आनंददायक और श्रीकृष्ण के आगमन की प्रतीति कराने वाला बताया गया है।
(ग) मीरा ने भक्ति की गहनता और आत्मसमर्पण दर्शाने के लिए अपने नाम का उल्लेख किया।
(घ) इसका अर्थ है – वर्षा की छोटी-छोटी बूंदें गिर रही हैं, जो सुखद और शीतल अनुभव करवा रही हैं।
(ङ) मीरा के भजनों में भक्ति, प्रेम, आत्मसमर्पण, प्रकृति और कृष्ण के प्रति गहरा अनुराग झलकता है।

५.

(क) मीरा बाई श्रीकृष्ण की भक्ति करती थीं।
(ख) क्योंकि सावन में बारिश, ठंडी हवा और फुहारों से उनका मन आनंद और भक्ति से भर उठता था।
(ग) मीरा ने श्रीकृष्ण के प्रेम, भक्ति और समर्पण से जुड़े पदों की रचना की।
(घ) जब बादल छाते, ठंडी बयार चलती और बारिश होती थी, तब मीरा का मन आनंद से भर जाता था।
(ङ) मीरा के पदों में भक्ति, प्रकृति और प्रेम का संगम होता है।

६.

(क) शीतल (ख) मोहन (ग) नन्हीं (घ) सुहावना (ङ) संत (च) साँवरी

७.

(क) दुख (ख) अंधकार (ग) अपवित्र (घ) कड़वा (ङ) झूठ (च) पुराना

८.

(क) मंजीरा (ख) सितार (ग) ढोल (घ) बाँसुरी (ङ) एकतारा (च) सारंगी

९.

(क) नेत्र (ख) ओष्ठ (ग) सुसज्जित (घ) श्याम (ङ) महात्मा (च) पायल

www.onepointlearning.com